हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 14 अप्रैल 2025

11 भूना की नंदीशाला में 700 फुट गहरे सबमर्सिबल ट्यूबवेल का...

12 सिरसा डाकघर के बाहर डाला जा रहा कूड़ा बना मुसीबत...

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री की रैली को लेकर सरपंचों की बैठक ली

रतिया। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा ने रैस्ट हाऊस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 अप्रैल को हिसार में एयरपोर्ट उदघाटन कार्यक्रम पर होने वाली रैली के लिए सरपंचों की बैठक ली। बैठक में सरपंचों के अलावा ब्लॉक समिति सदस्य व पंचायत सदस्यों को रैली में जाने का निमंत्रण दिया। ग्रोहा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र हित में काम कर रहे हैं और अन्तोदय उत्थान के तहत हर गरीब व्यक्ति तक पहुंच चुके हैं। ग्रोहा ने कहा कि आज देश की जनता अपनी आंखों से देख रही है कि देश में विकास कार्यों की झड़ी लगा रखी है। देश में सडक़ों और रेलवे का जाल बिछा दिया है

पार्षद हैप्पी ने मंत्री कृष्ण बेदी को दिया ज्ञापन

रतिया। वार्ड नंबर 5 के पार्षद प्रतिनिधि व भाजपा के वरिष्ठ नेता गुरप्रीत सिंह हैप्पी ने प्रदेश के मंत्री कृष्ण बेदी को ज्ञापन देकर रतिया शहर की समस्याओं के समाधान करने की मांग की है। मंत्री को दिए ज्ञापन में भाजपा नेता गुरप्रीत सिंह ने बताया कि रतिया शहर की कई कालोनियों में अभी भी विकास कार्य अधूरे पड़े हैं जिनको पूरा करवाने के लिए ग्रांट की आवश्यकता है इसलिए रतिया नगर पालिका को विकास कार्य के लिए ज्यादा से ज्यादा ग्रांट दी जाए। साथ ही उन्होंने बताया कि रतिया शहर की कई गलियों में अभी भी नालिया बनी हुई है जिनको बंद करवा कर वहां पर सीवरेज डलवाया जाए।

सेंट जोसफ स्कूल में मनाया गया बैसाखी पर्व

फतेहाबाद। जिले के शहर टोहाना में भूना रोड स्थित सेंट जोसफ इंटरनेशनल स्कूल में बैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया गया। बैसाखी के अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें हिन्दी अध्यापिका अनीता शर्मा ने बैसाखी के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बच्चों ने पंजाबी भाषा में बैसाखी से सम्बधित कविताएं भी प्रस्तुत की। प्रार्थना सभा को सम्बोधित करते हुए प्राचार्या मारियालीन लुईस ने कहा कि बैसाखी को रबी की फसल पकने का प्रतीक माना जाता है। इस दिन से ही किसानों द्वारा फसल की कटाई शुरू कर दी जाती है, यह एक कृषि पर्व भी है, जिसमें किसान ईश्वर का धन्यवाद करते हैं और अच्छी फसल के लिए प्रार्थना करते हैं।

टोहाना शहर से मोटरसाइकिल चोरी

फतेहाबाद। वाहन चोरों ने टोहाना शहर से एक मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में पंजाबी कालोनी टोहाना निवासी रत्ती राम ने कहा है कि गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर बाजार गया था। उसने अपने मोटरसाइकिल को चण्डीगढ़ रोड पर पेट्रोल पम्प के पास जूस की रेहड़ी के पास $खा किया और पास में चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस आया तो उसने देखा कि वहां से उसका मोटरसाइकिल गायब था। इस पर पहले उसने आसपास तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला।

डीएफएससी के बिना किसी दूसरी एजेंसी के पास खरीद के पुख्ता इंतजाम नहीं : आढ़ती

मंडियों में गेहूं की आवक जोरों पर, आढ़ती और किसान पशोपेश में, व्यापार मंडल की बैठक आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

व्यापार मंडल के अनुसार फतेहाबाद की दोनों मंडियों में अब तक अढ़ाई लाख बैग गेहूं की आवक

फतेहाबाद में गेहूं की खरीद को लेकर आढ़ती और किसान पशोपेश की स्थिति में है। किसान गेहूं की फसल को काटकर मण्डियों में ला रहे हैं जबकि आढ़ती डीएफएससी की खरीद न होने के चलते खरीद शुरू न करने पर अड़े हुए हैं। आढ़तियों का तर्क है कि डीएफएससी के बिना कोई दूसरी एजेंसी के पास खरीद के पुख्ता इंतजाम नहीं है। न ही अन्य एजेंसियों के पास पर्याप्त गोदामों की व्यवस्था है। ऐसे में दूसरी एजेंसियों को गेहूं दे भी दें तो यह प्रतिदिन आढ़ती व किसानों के लिए मुश्किलें पैदा करेगा। डीएफएससी के बिना कोई भी एजेंसी पर्याप्त मात्रा में गेहूं खरीद और लोडिंग-अनलोडिंग करने में सक्षम नहीं है। यही कारण है कि अब तक फतेहाबाद की दोनों मण्डियों में गेहूं के एक भी दाने को हैफेड और वेयर हाऊस नहीं खरीद पाई। गेहूं खरीद को लेकर आगामी रणनीति पर विचार करने के लिए व्यापार मंडल ने सोमवार सुबह साढ़े 10 बजे अनाज मण्डी स्थित हनुमान मंदिर में बैठक बुलाई है। इस बैठक में व्यापार मंडल सभी आढ़तियों से उनके विचार जानेगा। जिसके बाद तय होगा कि गेहूं की खरीद होगी या नहीं। इसमें प्रत्येक आढ़ती के विचार जाने जाएंगे। अगर ज्यादा संख्या में आढ़ती यह कहेंगे कि उनके पास किसानों का दबाव है तो गेहूं की खरीद हैफेड व वेयर हाऊस से करवाई जा सकती है। व्यापार मंडल के प्रधान जगदीश भादू ने इसकी पुष्टि की है। भादू ने कहा कि गेहूं खरीद को लेकर उनकी सांसद सुभाष बराला से बात हुई है। सांसद ने उन्हें आश्वस्त किया है कि आढ़ती निश्चिंत रहें। डीएफएससी फतेहाबाद मण्डी में गेहूं की खरीद जरूर करेगी। गेहूं की सरकारी खरीद को शुरू हुए आज 14 दिन हो गए। पहले मौसम के कारण फतेहाबाद की मण्डियों में गेहूं आने में देरी हुई। अब किसानों का पीला सोना पककर तैयार है और मण्डियों में गेहूं के ढेर लगे हुए हैं। व्यापार मंडल के अनुसार फतेहाबाद की दोनों मण्डियों में अब तक अढ़ाई लाख बैग गेहूं की आवक हो चुकी है।

फतेहाबाद। खरीद केन्द्र पर लगी गेहूं की ढेरियां। फोटो :हरिभूमि

पिछले 3 सालों से ज्यादा उत्पादन की उम्मीद

पिछले 3 सालों से फतेहाबाद जिला गेहूं उत्पादन में पिछड़ता जा रहा है। यही कारण है कि कृषि विभाग ने प्रदेश में हायर लेवल पर गेहूं के खरीद लक्ष्य में 5 लाख एमटी की कमी की है। फतेहाबाद में विपरीत मौसम के बावजूद इस बार प्रति एकड़ उत्पादन अच्छा होगा। किसानों व कृषि विशेषज्ञों की मानें तो इस बार 10 से 15 फीसदी उत्पादन ज्यादा है। बीते साल सरकार ने करीब 7 लाख एमटी गेहूं की खरीद की थी जबकि उससे पिछले साल 6 लाख 14 हजार एमटी गेहूं की खरीद हुई थी। इस बार उम्मीद है कि 7 लाख एमटी का लक्ष्य पार करेंगे। यह बात अलग है कि खुले बाजार में गेहूं के ज्यादा रेट होने के चलते किसान गेहूं का स्टाक कर सकते हैं।

अब तक 17,898 एमटी गेहूं की खरीद

फतेहाबाद को छोडक़र जिले की 6 मण्डियों व 45 खरीद केन्द्रों पर अब तक 17898 एमटी गेहूं की खरीद हो चुकी है। इसकी एवज में 2665 एमटी गेहूं का उठान हो चुका है जबकि 15233 एमटी गेहूं मण्डियों व खरीद केन्द्रों पर उठान के इंतजार में पड़ी है। जिले में 1685 किसानों को गेहूं के बदले 8 करोड़ 34 लाख की पैमेंट जारी कर दी गई है। इनमें से फूड एंड सप्लाई ने 235 एमटी, हैफेड ने 6407, हरियाणा वेयर हाऊस ने 5390 व एफसीआई ने 5866 एमटी गेहूं की खरीद की है।

नप चेयरमैन ने नंदीशाला में शैड का किया उद्घाटन

सिरसा। नगर परिषद सिरसा के चेयरमैन वीर शांति स्वरूप ने गांव केलनिया स्थित नंदीशाला में नगर परिषद द्वारा निर्मित शैड का विधिवत उद्घाटन किया। यह शैड बेसहारा, बीमार और वृद्ध गौवंश के संरक्षण और देखभाल के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि गौशाला हमारी संस्कृति और संवेदनशीलता का प्रतीक है। गौमाता की सेवा ही सच्ची सेवा है। कार्यक्रम के दौरान नंदीशाला प्रबंधन समिति द्वारा नगरपरिषद के चेयरमैन वीर शांति स्वरूप को एक मांगपत्र सौंपा गया, जिसमें गोवंश की सुविधा और देखरेख हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं की मांग की गई।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग घायल

फतेहाबाद। टोहाना में एक मोटरसाइकिल ने स्कूटी में टक्कर दे मारी। हादसे में स्कूटी सवार बुजुर्ग घायल हो गया। घायल बुजुर्ग को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस बारे पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में टोहाना निवासी महेश मेहता ने कहा है कि बुजुर्ग होने के कारण वह अक्सर घर पर ही रहता है। गत दिवस दोपहर को वह अपनी स्कूटी पर सवार होकर मार्किट जा रहा था। रास्ते में एक मोटरसाइकिल सवार युवक मोटरसाइकिल को लापरवाही व से चलाते हुए आया और उसकी स्कूटी में सीधी टक्कर दे मारी।

पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर की कार्रवाई

4,130 की सट्टाराशि तथा 66 बोतल अवैध शराब सहित आठ गिरफ्तार

सट्टा खाईवाली करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिला की विभिन्न पुलिस टीमों ने गश्त व चैकिंग के दौरान महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक जगहों पर सट्टा खाईवाली करने वालों व अवैध रूप से शराब बेचने वाले 8 व्यक्तियों को उनके कब्जे से 4130 की सट्टाराशि तथा 66 बोतल अवैध शराब सहित काबू किया है।

सिविल लाइन थाना पुलिस ने हुडा सेक्टर 19 से सोनू पुत्र राजकुमार को 13 बोतल अवैध शराब के साथ रेलवे फाटक, सिरसा से काबू किया है।जिला की सिविल लाइन थाना पुलिस ने सट्टा खाईवाली करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे हैं विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एमआईटीसी कॉलोनी सिरसा से गुलशन पुत्र प्रकाश को 1260 रुपए की सट्टाराशि के साथ काबू किया है। वहीं एक अन्य घटना में सिविल लाइन थाना पुलिस ने मंगत राम पुत्र चुन्नीलाल को रेलवे फाटक सिरसा क्षेत्र से 1050 रुपए की सट्टाराशि के साथ काबू किया है। एक अन्य घटना में जिला की शहर थाना पुलिस ने सुनील कुमार पुत्र ओमप्रकाश को 1230 रुपए की सट्टाराशि सहित काबू किया है। ऐलनाबाद थाना पुलिस ने गौशाला मोड़, ऐलनाबाद क्षेत्र से मक्खन कुमार पुत्र देवकरण निवासी वार्ड नंबर 13 को 590 रुपए की सट्टाराशि के साथ काबू किया। गिरफ्तार किए गए सभी लोगों के कब्जा से सट्टाराशि व अवैध शराब बरामद कर जांच शुरू की।

गांव मोचीवाली-नानकपुर में कार्रवाई

डिंग थाना प्रभारी ने बताया कि डिंग थाना की एक पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के गांव मोचीवाली में मौजूद थी। इस दौरान पुलिस पार्टी के सामने से एक व्यक्ति अपने हाथ में प्लास्टिक का बैग लिए हुए आता दिखाई दिया। उक्त युवक ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक वापस मुडक़र भगाने का प्रयास किया। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जा से 17 बोतल अवैध शराब बरामद हुई। वहीं एक अन्य घटना में सदर थाना पुलिस ने गांव नानकपुर से गोविंद पुत्र बिंदपाल निवासी नानपुर को 21 बोतल अवैध शराब के साथ काबू किया है। जबकि रोड़ी थाना पुलिस ने रणसिंह पुत्र काका सिंह निवासी गांव सुरतिया को 15 बोतल अवैध शराब के साथ काबू किया है।

सख्त कार्रवाई की मांग, पुलिस ने जांच शुरू की

सरकारी नौकरी के नाम पर 15 लाख रुपये की धोखाधड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

एक व्यक्ति से सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर 15 लाख रुपए की ठगी किए जाने के मामला सामने आया है। आरोपी लखनऊ का रहने वाला है। शिकायतकर्ता से उसकी पत्नी और भतीजे को एनसीईआरटी में सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा दिया और पैसों की धोखाधड़ी कर दी। इसके लिए बाकायदा आरोपी ने पीड़ित को ई-मेल पर ज्वॉइनिंग लेटर भेजा। जब वह ज्वॉइनिंग के लिए एनसीईआरटी में गए तो पता चला कि यह फर्जी लेटर है। बाद में पीड़ित ने आरोपी से बार-बार पैसे देने की बात कही, लेकिन उसकी नहीं सुनी। आखिर मामला पुलिस के पास पहुंच गया। पुलिस को दी शिकायत में पवन कुमार ने बताया कि वह सिरसा के पतली डाबर नजदीकी एचएन 91 पावर हाउस एरिया का रहने वाला है। उचाना निवासी सुरेंद्र कुमार ने नौकरी लगवाने के लिए उसकी उत्तर प्रदेश के लखनऊ के विजय खंड गोमती नगर निवासी सुनील से मुलाकात करवाई और उससे कहा कि वह सरकारी नौकरी लगवाता है। इस पर सुनील के साथ उसकी जानकारी हो गई। एक दिन सुनील ने उससे कहा कि एनसीईआरटी में सर्वेयर और एमटीएस की वैकेंसी आई है। उसमें काम करा दूंगा। सुनील ने उसकी पत्नी कोमल और उसके भतीजे रितेश का काम करवाने की बात कही और उससे कागज कॉपी ले लिए। कुछ समय बाद सुनील ने उसके पास वॉट्सऐप और ई-मेल पर ज्वॉइनिंग लेटर भेज दिया। इस एवज में 4 लाख 70 हजार रुपए ऑनलाइन डलवा लिए और 11 लाख रुपए नकद ले लिए। शिकायतकर्ता पवन ने पुलिस प्रशासन से शिकायत की है कि जब वह एनसीईआरटी में ज्वॉइनिंग के लिए गए तो पता चला कि ये फर्जी लेटर है। इसमें कोई वैकेंसी नहीं आई है। फिर सुनील से उसने बात की तो उसने कहा कि पैसे वापस दे देंगे। मगर एक साल बीत गया, लेकिन सुनील ने अभी तक पैसे नहीं लौटाए। ऐसे में उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला किया दर्ज

रतिया से दो युवकों को 15.1 ग्राम हेरोइन सहित किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

नशामुक्त अभियान के तहत पुलिस ने रतिया क्षेत्र से दो हेरोइन तस्करों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। दोनों के खिलाफ सम्बंधित थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज किए गए है।

थाना शहर रतिया प्रभारी एसआई रणजीत सिंह ने बताया कि पहले मामले में एवीटी स्टाफ फतेहाबाद पुलिस की टीम एएसआई सुखविन्द्र सिंह के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। टीम जब रतिया-हांसपुर रोड पर नवकार राइस मिल के पास पहुंची तो मिल के पास खड़ा एक युवक पुलिस की गाड़ी को देखकर घबरा गया और एकदम से खेतों की तरफ जाने लगा। शक के आधार पर पुलिस कर्मचारियों ने युवक को काबू कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम बलबीर उर्फ राजू पुत्र हंसराज निवासी कलोठा हाल लाली रोड, रतिया बताया। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 13.62 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। दूसरे मामले में थाना सदर रतिया प्रभारी एसआई राजबीर सिंह ने बताया कि ब्राह्मणवाला पुलिस चौकी टीम एसआई हंसराज के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गांव सरदारेवाला में गश्त पर थी। इसी दौरान गांव की तरफ से एक युवक आता दिखाई दिया। शक के आधार पर पूछताछ की तो उसने अपना नाम जगराम बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1.48 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

रतिया। पुलिस की गिरफ्त में हेरोइन सहित पकड़ा गया युवक।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

गोदाम की दीवार गिरने से चार मजदूर दबे जेसीबी की सहायता से निकाला बाहर

घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती, दो की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

रानियां के बिजलीघर के साथ बने एक निजी गोदाम की दीवार गिरने से रविवार को चार मजदूर मलबे के नीचे दब गए। सभी मजदूरों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार शहर के 220 केवी बिजली घर की दीवार का निर्माण कार्य चल रहा था। बिजलीघर के साथ एक व्यक्ति का गोदाम बना है जिसमें गेहूं डाली हुई है। गोदाम में जेसीबी की सहायता से गेहूं को इकट्ठा किया जा रहा था। इस दौरान गोदाम की दीवार गिर गई और चार मजदूर दब गए। मौके पर जेसीबी व लोगों की सहायता से दीवार के नीचे दबे मजदूरों को निकाल लिया गया है। पुलिस ने सभी घायलों को रानियां के सामुदायिक केंद्र में भर्ती करवाया। घायलों में दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल मजदूरों में एक महिला भी शामिल है। दीवार के नीचे दबने से घायल हुए मजदूरों की पहचान गुरु चरण सिंह निवासी चामल, सन्नी निवासी वार्ड नंबर 9, रवि निवासी वार्ड नंबर 10 व महिला बिट्टू रानी निवासी वार्ड नंबर 10 के रूप में हुई है।

सभी को घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए रानियां के अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिरसा। दीवार गिरने से घायल हुए मजदूर को अस्पताल ले जाते लोग।

भारत विकास परिषद रतिया अध्यक्ष राजकुमार ने घोषित की कार्यकारिणी

रतिया। भारत विकास परिषद शाखा रतिया के नवनियुक्त अध्यक्ष राज कुमार सिंगला, संरक्षक डॉ. नरेश गोयल, सचिव लोकेश खुराना एवं वित्त सचिव सौरभ गोयल ने मीटिंग करके कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। परिषद के प्रेस सचिव प्रदीप बंसल ने बताया कि नई कार्यकारिणी में महिला सहभागिता डॉ. सबीना जैन, सह संरक्षक शैलेन्द्र गोस्वामी, गतिविधि संयोजक सेवा जनक राज गोयल, गतिविधि संयोजक संस्कार प्रेम चंद बंसल, गतिविधि संयोजक संपर्क प्रवीण तनेजा, गतिविधि संयोजक पर्यावरण गुरविंदर सिंह को बनाया गया है। इसके अलावा नरेंद्र मलिक और नीतेश अग्रवाल को सह सचिव, लक्ष्मण जिंदल रिंकू और राज कुमार मोंगा को सह वित सचिव, विनोद जैन को संगठन सचिव, प्रदीप बंसल को प्रेस सचिव, सीए विजय गोयल को ऑडिटर लेखा परीक्षक, सोहन लाल तनेजा को विकलांग सहायता केंद्र प्रमुख, गुरविंदर सिंह को धार्मिक एवं संस्कृत सप्ताह संयोजक बनाया गया है। नेत्र दान कमेटी में जनक राज गोयल, धर्मवीर ललित, मखन गोयल, प्रवीण तनेजा, अवतार ढींगरा को, भारत को जानो, समूहगान, गुरुबंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम के लिए शैलेन्द्र गोस्वामी, राजीव धमीजा, साहिल चिलाना, गौरव चोपड़ा, कपिश गुप्ता, निशांत जैन को जिम्मेवारी सौंपी गई है।

कार्यक्रम

राज्यसभा सांसद ने बैसाखी पर्व पर आयोजित रक्तदान शिविर में भी की शिरकत

जाखल अनाज मंडी में अटल मजदूर किसान कैंटीन का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सांसद सुभाष बराला ने जिले की जाखल अनाज मंडी में रविवार को अटल मजदूर किसान कैंटीन का उद्घाटन किया। कैंटीन में प्रत्येक मजदूर और किसान को 10 रुपये थाली दी जाएगी। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद ने किसानों और मजदूरों के साथ भोजन भी किया। वहीं दूसरी ओर राज्यसभा सांसद ने बैसाखी पर्व के पावन अवसर पर भारत विकास परिषद् शाखा जाखल एवं तेरापंथ युवक परिषद् जाखल द्वारा आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में भी शिरकत की। अटल मजदूर किसान कैंटीन का उद्घाटन करते हुए सांसद सुभाष बराला ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा किसानों और मजदूरों की सुविधा के लिए यह एक ऐतिहासिक कदम है। अब कोई भी मजदूर या किसान भाई अनाज मंडियों में मात्र 10 रुपये में भरपेट और पौष्टिक भोजन प्राप्त कर सकेगा। इस अवसर पर सांसद सुभाष बराला ने किसानों और मजदूरों के साथ भोजन भी किया और कहा कि वे स्वयं यह भोजन कर रहे हैं ताकि वे समझ सके कि जो व्यवस्था सरकार ने की है, वह कितनी उपयोगी है। उन्होंने कहा कि बैसाखी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह नई ऊर्जा, नई शुरुआत और सेवा भावना का प्रतीक है। रक्तदान सबसे बड़ा दान है। एक यूनिट रक्त किसी अनजान व्यक्ति को जीवन दे सकता है। उन्होंने सभी रक्तदाताओं को नमन करते हुए कहा कि वे बिना किसी स्वार्थ के इस पुनीत कार्य में भाग लेते हैं। उन्होंने रक्तदान शिविर का आयोजन करने वाली संस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि भारत विकास परिषद् और तेरापंथ युवक परिषद् जैसे संगठन समाज को जोडऩे और सेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। ये संस्थाएं बधाई की पात्र हैं।

फतेहाबाद। जाखल अनाज मंडी में अटल मजदूर किसान कैंटीन का उद्घाटन करते राज्यसभा सांसद सुभाष बराला।

मित्रता की सच्ची परीक्षा संकट में नहीं, उत्कर्ष में होती है। जो मित्र के उत्कर्ष को बर्दाश्त कर सके, वही सच्चा मित्र होता है।
- हरिशंकर परसाई

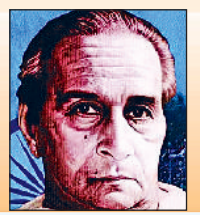

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।' 'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

कहानी
आशा खत्री 'लता'

अपने देश में

बाहर खिड़की से झांकते हुए अपने देश की शस्य- श्यामला धरती पर उगे हरे-भरे जंगलों, पहाड़ों को देखकर पिछले बहत्तर घण्टों में पहली बार उसके दिल को सुकून और मुख पर मुस्कान आयी थी। धरती पर तने नीलाम्बर को देख यूँ प्रतीत हो रहा था जैसे वह धरती का प्रहरी बन अड़ा खड़ा है। उसे लगा धरती, उस पर उगे पेड़-पौधे, आकाश और उसमें तैरते बादल, कभी पेड़ों के पत्तों और कभी बादलों के झुरमुट को उड़ाती पवन सबका आपस में गहरा रिश्ता है। सबका सुख-दुःख साझा है। दुःख, दर्द, पीड़ा, खुशी में सब एकत्रित होकर दुःखी को घेरकर ढाँढस बंधाते हैं, उसके दर्द को आत्मसात कर घटा देते हैं, बाँट लेते हैं।

विमान रनवे पर उतरने लगा था, उसे लगा कि पिछले 72 घण्टे से जिस दर्द के जाल में फँसकर वह फड़फड़ा रहा था, अब वह उसकी पकड़ से बाहर आ रहा है। माँ का हाथ थामे वह जैसे ही आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर बाहर आया, उसे कई परिचित चेहरे दिखाई देने लगे। जिन्हें देख माँ के मुँह से एकाएक शब्द फूटे-

'देख हेमंत।'

'हाँ माँ देख रहा हूँ, कृष्ण चाचा, शमशेर मामा, रोहित और अभिनव को।'

'हाँ' होंठ खुलने के साथ ही माँ की आंखें भर आई। हेमंत जिसे घर में सब प्यार से हनी कहते हैं अनुभव कर रहा था कि माँ तो जैसे इन तीन दिनों में ही पचपन की यंग लेडी बहत्तर की बुढ़िया हो गयी है। पापा हमेशा माँ को यंग लेडी ही तो कहा करते थे। क्योंकि वे थी ही ऐसी, बिलकुल लड़कियों-सी। आज वही हँसती-मुस्कुराती, ऊर्जा से ओत-प्रोत यंग लेडी 72 घण्टों में ही जैसे दुःख, दर्द उदासी की प्रतिमूर्ति बन गयी हैं। इन्हीं विचारों में डूबा वह सामने खड़े रिश्तेदारों तक पहुंचा तो देखा कि मामा ने तेज कदमों से आगे बढ़कर अपनी बहन को बाहों में भर लिया। उसे भी चाचा ने जिस अपनेपन से आलिंगन में लिया, वह अपनत्व की अनुभूतियों का चरम बिन्दु था।

'क्या हुआ तेरा पापा जो चला गया, मैं हूँ ना, तुझे कभी उसकी कमी अनुभव नहीं होने दूँगा।' कृष्ण चाचा ने सरगोशी की।

'जी चाचा जी, मैं समझता हूँ आपकी भावनाओं को, आपके स्नेह को।' उसने भर्राए स्वर में कहा।

'देख हनी, वह मेरा भाई था, तू उसके जिगर का टुकड़ा था तो हम दोनों भी एक ही जिगर के टुकड़े थे, एक माँ का दूध पिया, एक माँ के पेट से जन्म लिया। वह तो भाई की विदेश जाने की जिद थी वरना हम कभी अलग नहीं रहे। उसके चले जाने का दुःख मुझे मार डाल रहा है। परन्तु मैं उसको तुझमें देख रहा हूँ और तू भी उसको मुझमें अनुभव करना बेटे।' कहते हुए शमशेर चाचा की रुलाई फूट पड़ी।

माँ मामा से लिपटकर बिलख पड़ी थी। जैसे किसी नीर से लबालब भरी नदी पर बंधा बांध टूट गया हो।

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।'

'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

'मेरे घर की खुशियों को मेरी ही नजर लग गयी भाई। पहले दिन ही तो मैंने कहा था कि भगवान ने हमें सब कुछ दे दिया। अब हमें और क्या चाहिए। भगवान ने ऐसा क्यों किया भाई, भगवान ने उन्हें इतनी जल्दी क्यों बुला लिया?'

'चुप हो जा मेरी बहन, भगवान ने जिसकी जितनी साँसें लिखी हैं हम न उनसे एक अधिक ले सकते हैं न कम।'

आते-जाते लोग हमें देख रहे थे। हम अभी उनसे बेखबर थे। अतः इसकी ओर ध्यान दिलाते दोनों चचेरे भाइयों ने हमें सहारा देते हुए गाड़ी में बैठाया। सामान वे पहले ही रखवा चुके थे।

गाड़ी में बैठने के बाद भी मम्मी, मामा से रोते-रोते बातें करती रही। उनकी रुलाई उनके रोकने के प्रयास के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रही थी। मैं जो पिछले तीन दिनों के घटनाक्रम पर माँ की चुप्पी को उनकी बहादुरी समझ रहा था। अब देख रहा था उनके बिखर जाने को। शायद यह अपनों के साथ

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था। मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

का असर था। वहाँ हम अकेले थे। पापा ने उस दिन शाम को छाती में दर्द अनुभव किया तो हमने कहा चलो आपको डॉक्टर के पास ले चलते हैं।

'नहीं, हनी अब तो अपने देश जाकर ही दिखाऊंगा।' अपने देश लौटने के उनके उत्साह के आगे हम सब बार-बार आग्रह करके भी मौन साधने को विवश हो गए। अब सोचता हूँ यह मौन हमें कितना भारी पड़ा? काश! हम पापा के उत्साह के आगे हथियार नहीं डालते। रात को ही पापा छाती में मामूली से दर्द के बाद हम सबको छोड़कर चले गए। एकाएक जो हुआ उसे देख हमारे हाथ-पाँव फूल गए। इस सबके बावजूद माँ ने हिम्मत दिखाते हुए कोमल को नन्हें कुशल के साथ कमरे में ही रहने का आदेश दे दिया।

मुझे एकाएक बुआ के बेटे सचिन का ध्यान आया जो हमसे पन्द्रह मिनट की दूरी पर ही रहता था। वही अमेरिका में हमारा एकमात्र अपना, दोस्त, खैरख्वाह था। उसे सूचना दी तो वह आधे घण्टे में ही हमारे पास पहुँच गया। परन्तु वह भी वहाँ इस तरह की स्थिति से कभी न गुजरा था। हम सब बहुत ही असहाय अनुभव कर रहे थे। मैं और माँ कभी पापा को छूते, कभी उनसे लिपटते और ईश्वर से बारम्बार प्रार्थना करते कि काश! वे अब भी पापा की सांसें लौटा दें, काश! वे अब भी उठ बैठें।

अपना देश तो सात-समंदर पार था और हम नहीं जानते थे कि इस अनजानी जगह पर हम पापा की पार्थिव देह का अंतिम संस्कार कैसे और कहाँ करें। आज यह सुन्दर और आकर्षक मुल्क हमारे लिए नितान्त अजनबी हो गया था।

इस बीच सचिन ने अपने एक दोस्त के माध्यम से एक पण्डित का पता लगा लिया, जिनसे संपर्क कर हमें आगे की कार्रवाई और पापा के संस्कार के लिए मार्गदर्शन और सहयोग मिला। उनके प्रयासों से जैसे-तैसे अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ। अगले ही दिन हम तय कार्यक्रम के अनुसार भारत के लिए चल पड़े। यह भी किसी ईश्वरीय शक्ति की कृपा मैंने हम पर अनुभव की कि हमारी टिकटें पहले से बुक थी।

इस दौरान हमने जो अकेलापन अनुभव किया, वह हम माँ बेटों के लिए जीवन का सबसे कटु अनुभव था, जिसमें हमने अपनों के साथ होने की आवश्यकता को हर पल शिद्दत से महसूस किया। यही तड़प निरन्तर मन को कचोटती रही कि काश! कोई अपना आकर गले से लगा ले तो हम जी भरकर रो लें। परन्तु वहाँ ऐसा कोई न था जो हमारे इस घोर दुःख में मन का साथी बनता। यहाँ अब जब अपनों ने गले लगाया तो उनके आलिंगन की ऊष्मा ने दिलों में जमे दर्द के पत्थर को पिघला दिया। आँखें रास्ता बन गयी और वह वेग से बाहर बहने लगा।

एक घण्टे का सफर तय कर बोलते-बतियाते, उन अथाह दुखों के पलों को अपनों से साझा करते हम दोनों की हालत पहले से कुछ-कुछ ठीक हो चुकी थी। गाँव में प्रवेश किया तो लोग रुक-रुक कर, एक तरफ होकर गाड़ी को रास्ता देने लगे। उनके व्यवहार में सम्मान और अपनत्व की झलक थी जैसे सारे गाँव को पता हो कि महेश को खोकर उसके बालक गाँव लौटे हैं।

अपनी गली में मुड़े तो पूरी गली लोगों से भरी हुई थी। यहाँ भी लोगों ने बड़े स्नेह से हमारी गाड़ी को रास्ता दिया। घर के सामने पहुँचकर तो घर-कुनबे और रिश्तेदारों ने हमें घेर लिया। बुआ चाची, मौसी, भाभी, चचेरे, ममेरे, फुफेरे जैसे सब रिश्तेदार हमारा दुख बाँट लेने को आतुर थे।

बड़ी बुआ से माँ का सदैव से गहरा स्नेह रहा है उनसे लिपटकर तो माँ बिलख ही पड़ी 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी'

ऐसे द्रवित कर देने वाले उद्गारों से बुआ भी अपना धैर्य खो रही थी

'कहाँ छोड़ आई विमल मेरे भाई को, मेरे महेश को।'

'तू तो शांति रख यशवंती, इसे सम्भाल। ले पानी पी और अपनी भाभी को पिला। देख क्या हाल हो गया है इन माँ-बेटों का।' पिता की चाची ने दोनों को समझाते हुए कहा।

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था।

मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

उधर, आज विमला को यह पानी भी अमृत लग रहा था। वह भी यही मन बना रही थी कि अब वे यही रहेंगे अपने देश में, अपनों के बीच।

लघुकथा
शकुंतला अग्रवाल शकुन

भिखारी

सुरेन्द्र जी ने अपने बेटे (पियूष) की पढ़ाई-लिखाई करवाने में कोई कसर नहीं रखी थी वैसे ही बेटे ने भी मेहनत से कभी जी नहीं चुराया था। नतीजन वह सॉफ्टवेयर इन्जीनियर बन कर बैंगलौर में सेटल हो गया। कुछ दिनों बाद ही अपनी सहकर्मी से शादी भी कर ली। अपना जीवन अपनी मर्जी से जीता है, माता-पिता की कभी खैर-खबर भी नहीं लेता। माता-पिता कभी कहते कि बेटा! कुछ दिनों के लिए हमारे पास भी आ जाओ तो समयाभाव की बोल कर इतिश्री कर लेता।

आखिरकार माता-पिता ने आपसी सहमती से अपनी सारी जमापूँजी वृद्धाश्रम को दान करने का मानस बनाकर, वहीं रहने भी लगे।

जब इस बात का बेटे को पता लगा तब तुरंत चला आया, आकर पिता से बोला-

'आपकी जमापूँजी पर केवल मेरा अधिकार है, वह मुझे ही मिलनी चाहिए।'

तब पिता बोले- कौनसा अधिकार? जिसको कर्तव्य याद नहीं ,उसके द्वारा अधिकारों की माँग करना, ऐसे लगता है जैसे द्वार पर कोई भिखारी खड़ा हो।

गजल
किरण यादव

वो तो इक दीवाना है
उसको क्या समझाना है

कुछ खोना, कुछ पाना है
जग का ताना - बाना है

ये दुनिया कुछ और नहीं
एक मुसाफ़िरख़ाना है

राजा, रंक, गृहस्थ, फ़क़ीर
इक दिन सबको जाना है

अपनी तो क़िस्मत में ही
हर दिन धोखा खाना है

चांदनी केशरवानी सुगंधा

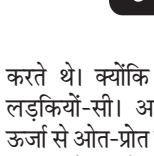

दिव्य प्रेम की धारा

अंतस में बहती जिसके बस, दिव्य प्रेम की धारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

कृष्ण साधना पूरी तब ही,जब राधे का गान हुआ।
प्रेम-दिवानी मीरा के हित,विष भी अमृत पान हुआ।
मन-नौका को प्रेम-सिंधु के, जिसने बीच उतारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

राधे के बिन सदा अधूरे,सबको ही घनश्याम दिखे।
सीता ने जब दर्पण देखा, तब तब ख़ुद में राम दिखे।
शबरी जैसे प्रबल प्रेम का ,जिसने लिया सहारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

वैदेही का त्याग-समर्पण, राम-कथा का सार बना।
सच्चाई ने छल को जीता, दीवाली त्योहार बना।
पावन प्रणय-भाव से चमके जिसका हृदय सितारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

पं. कमलकांत भारद्वाज

वक़्त ख़राब चल रहा था महंगी घड़ी ख़रीद ली
मुझे दोस्ती के लायक़ ना समझा और महोब्बत ख़रीद ली

मैं इतना परेशान हो चुका था ज़िंदगी में
सब कुछ बेच दिया और ज़हर की शीशी ख़रीद ली

मेरी नज़रों में अब गिर चुके है वो लोग
जिसने ईमान बेच दिया और सियासत ख़रीद ली

हमें अब डर नहीं लगता किसी का जनाब
हम वो हैं जिसने कफ़न बेच दिया और मौत ख़रीद ली

तवायफ़ से रूबरू हुए थे हम एक बार
पता चला कि उसने जिस्म बेच दिया और रूह ख़रीद ली

इतना रोए हैं एक शख़्स की याद में 'कमल'
नींद चैन सब बेच दिया और उसकी यादें ख़रीद ली।

राज ख्यालिया

विकास या विनाश

हरी-भरी थी धरती अपनी, पेड़ों से थी इसकी शान,
अब मशीनें चलने लगीं, कट रहे हैं सबके प्राण।

जंगल की छाँव थी जहाँ, थे पंछियों के मीठे बोल,
अब वहाँ बस शोर है, धूल और है बस कोलाहल।

भालू, हिरण, हाथी, गिलहरी सब कहाँ जाएँ?
घर उजाड़ कर उनका, हम क्या ही ऐसे पाएंगे

आईटी पार्क बनेगा, ऊँची इमारतें होंगी खड़ी,
पर किस कीमत पर? क्यों धरा पर ये ग़लती बड़ी?

कहो ये कैसा विकास है, जिसमें जीवन ही मिटे?
कैसी ये रौशनी कैसा उजाला जब साया भी कटे?

संभल जा ए खुदगर्ज इंसान, अब भी समय है,
जंगल के संग खुद को बचा यही असली विजय है।

साहित्यकार एवं कवि डा. अशोक अत्री का इस आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौती को लेकर कहना है कि आज खासतौर से हरियाणवी साहित्य बदलाव के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस बात की आवश्यकता है कि साहित्य में गहन अध्ययन मनन करने से ही समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करने पर फोकस होना चाहिए, ताकि समाज में तेजी से उभरती कुरीतियों को दूर करने में मदद मिल सके।

साक्षात्कार
ओ.पी पाल

समाजहित में साहित्यिक अध्ययन का खास महत्व : डा. अशोक अत्री

साहित्य के क्षेत्र में गद्य और पद्य दोनों विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे लेखक समाज को नई दिशा देने के मकसद से अपने रचना संसार को दिशा दे रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में शिक्षाविद् डा. अशोक कुमार अत्री भी अपनी लेखनी से सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों के अलावा प्रकृति, पर्यावरण और सभ्यता तथा रीति-रिवाजों को अपनी रचनाओं में समाहित करके संस्कृति के संवर्धन करने में जुटे हुए हैं। एक शिक्षक के रूप में वे कॉलेज में सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए युवा पीढ़ी को साहित्य से जुड़े रहने सीख देकर उन्हें विशेष रूप से हरियाणवी संस्कृति के देश विदेशों में बढ़ते प्रचार एवं प्रभाव का मौका दे रहे हैं।

हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डा. अशोक कुमार अत्री ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कुछ ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें साहित्य समाज को सकारात्मक संदेश देने में सक्षम है। हरियाणा के कैथल स्थित आरकेएसडी कॉलेज में सहायक प्रोफेसर डा. अशोक कुमार अत्री का जन्म 09 जनवरी 1974 को जींद जिले के गांव ऐचरा खुर्द में मामन राम व शांति देवी के घर में हुआ। उनका यह गांव साहित्यिक चेतना के स्थल के रूप में समृद्ध एवं प्रसिद्ध रहा है। अशोक के दादा पं ज्ञानीराम क्षेत्र के प्रसिद्ध गायक रहे हैं, तो उनकी दादी भी लोक सत्संग में लीन रहती थी। उनके पिता पं मामनराम एवं चाचा पं राजेंद्र शास्त्री रामलीला के मंजे हुए कलाकार रहे हैं। मसलन उनके परिवार में साहित्य और सांस्कृतिक माहौल रहा है लेकिन उनका साहित्यिक सफर बहुत बाद में शुरू हुआ यानी शिक्षण कार्य में आने के बाद ही उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि उन्हें लेखन करना चाहिए।

उनका पहला कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' जिसमें उनके जीवन संघर्ष से जुडी यादें समाहित है और इसकी थीम कविता 'वो दिन' एक लम्बी कविता है। इस संग्रह में जीवन के विभिन्न आयामों से सम्बंधित कविताएं शामिल हैं। विशेष रूप से हरियाणावी संस्कृति एवं उसके विभिन्न पक्षों को भी इसमें समायोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि जब उनके चचेरे भाई आनंद को उनके द्वारा लेखन करने का पता लगा, तो उन्होंने अपना पब्लिकेशन शुरू किया एवं उनके कविता संग्रह की हजारों प्रतियाँ छाप दी। उन्होंने गांव का तालाब कविता का जिक्र करते हुए बताया कि ग्रामीण समाज में तालाब गांव की जीवन रेखा होते थे, कपडे धोना, नहाना, पशुओं को नहलाना, महिलाओं के द्वारा रीति रिवाज़ सभी इससे जुड़े होते थे, लेकिन अब ये ऊझाड, बेजान पड़े हैं, कब्जाग्रस्त हैं इसलिए यह मुद्दा भी सामाजिक सरोकार से जुड़ा है। इसी प्रकार बदलते परिवेश में सामाजिक और तीज त्यौहार व रीति रिवाज की चर्चा को लेकर भी उनके लेखन का फोकस रहा है। मसलन महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' एक और अन्य महत्वपूर्ण रचना में उन्होंने समकालीन समय में गांधी के आदर्शों के प्रति जनता की उदासीनता को उजागर किया है। इसके अलावा प्रकृति से जुड़ी कविताओं में पर्यावरण की समस्या को उठाया गया है। वहीं समाज की सजगता के लिए पति-पत्नी सम्बन्धों, नौजवानों और बच्चों पर भी उन्होंने कविताएं लिखी हैं। जीवन में उतार चढ़ाव आना भी स्वाभाविक है और उनके सामने भी स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याएं उभरी और घबराहट से बचने का अलग तरीका ढूंढने लगा। कविता लेखन के साथ कहानी भी लिखना शुरू किया, तो राहत मिली। इसके बाद उनका कहानी संग्रह 'फिर सुबह' और उसके बाद कविता संग्रह 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर' प्रकाशित हुआ।

उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं, एक शिक्षक के रूप में महाविद्यालय में आज भी उनके पास सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी हैं, जिसमें महाविद्यालय राज्यस्तरीय रत्नावली कार्यक्रम का विजेता होने के कारण वह हरियाणवी संस्कृति पर ज्यादा जोर देते आ रहे हैं। नई पीढ़ी को वे विशेषरूप से सांग, रिचवल, चौपाल, नृत्य को विशेष तवज्जो एवं फुलझड़ी एवं बिंदरवाल बनाना जैसी विधाएं सिखा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. अशोक कुमार अत्री की प्रकाशित प्रमुख पुस्तकों में कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' और 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर', कहानी संग्रह 'फिर सुबह' के अलावा पुस्तक 'भारत एवं मध्य एशिया के गणराज्य' हैं। जबकि उनकी दो कृति यानी रचना 'ये कौन छायाकार है' और एवं 'यात्रा वृत्तांत' प्रकाशनाधीन है। उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं उनकी महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' भी सुर्खियों में रही है।

डा. अशोक कुमार अत्री

पुरस्कार व सम्मान

साहित्यकार डा. अशोक अत्री को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनकी पुस्तक के लिए प्रकाशन प्रोत्साहन के लिए नकद राशि दी है, तो वहीं उन्हें साहित्य सभा कैथल से बीबी भारद्वाज समृति सम्मान, हरियाणा संस्कृत अकादमी से प्रशस्ति पत्र, अग्रवाल सभा कैथल से साहित्य सम्मान, डीएवी महाविद्यालय करनाल से सांग विधा के प्रचार प्रसार के लिए सम्मान जैसे अनेक पुरस्कार व सम्मान से नवाजा गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. अशोक कुमार अत्री
जन्मतिथि : 09 जनवरी 1974
जन्म स्थान : गांव ऐंचरा खूर्द, जींद (हरियाणा)
शिक्षा : बी.ए, बी.एड. एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
संप्रति : असिस्टेंट प्रोफेसर(राजनीतिक शास्त्र), लेखक, साहित्यकार

संस्कृति व आस्था का प्रतिबिंब 'श्री श्याम महिमा'

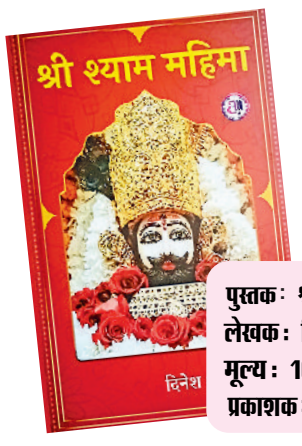

पुस्तक : श्री श्याम महिमा
लेखक : दिनेश शर्मा 'दिनेश'
मूल्य : 160 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन

पुस्तक समीक्षा
ललित शर्मा

श्री श्याम महिमा दिनेश शर्मा 'दिनेश' द्वारा लिखित एक उत्कृष्ट पुस्तक है जो भारतीय संस्कृति, सभ्यता और धार्मिक आस्थाओं का संपूर्ण परिचय प्रस्तुत करती है। इस पुस्तक में न केवल भारत की धार्मिक धरोहरों का विस्तार से वर्णन किया गया है, बल्कि श्री श्याम के आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है। अपनी गहन अध्ययनशीलता और संवेदनशीलता के साथ लेखक ने इस कृति को तैयार किया है, जो न केवल भक्तों के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि सामान्य पाठकों के लिए भी उपयोगी है। पुस्तक में कुल छह खंड हैं, जो विभिन्न पहलुओं पर आधारित हैं।

भारत एक परिचय - इस खंड में लेखक ने भारत की भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की है। यह खंड भारत की विविधता, उसकी एकता और समृद्ध इतिहास का संक्षिप्त विवरण देता है।

सभ्यता संस्कृति और भारत - इस खंड में लेखक ने भारत की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और उसके मूल्यों पर विचार किया है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, जिसमें विविध संस्कृतियों और धर्मों का समावेश है, का प्रभावी चित्रण किया गया है।

भारत के पवित्र तीर्थ एवं धाम - यह खंड विशेष रूप से तीर्थों और भारत के पवित्र स्थलों पर केंद्रित है। यहाँ लेखक ने भारत के विभिन्न तीर्थस्थलों की पवित्रता और उनके धार्मिक महत्व का वर्णन किया है। पुस्तक का यह हिस्सा पाठकों को भारत के धामों की यात्रा करवाता है।

ऐतिहासिक संदर्भों में श्री श्याम - इस खंड में श्री श्याम जी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला है। ऐतिहासिक स्रोतों और ग्रंथों के माध्यम से श्री श्याम जी के अस्तित्व और उनके योगदान का विवेचन किया गया है।

लौकिक संदर्भों में श्री श्याम - इसमें लेखक ने श्री श्याम जी के लौकिक जीवन, उनके विचारों और कर्मों के प्रति समाज में फैले विश्वास का वर्णन किया गया है।

सुप्रसिद्ध श्री श्याम तीर्थ - यह खंड विशेषकर हरियाणा के श्री श्याम के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों पर केंद्रित है। लेखक ने उन स्थलों का विशेष विवरण दिया है।

कुल मिलाकर, यह पुस्तक भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्थाओं को समझने के लिए एक आदर्श कृति है। यह पुस्तक निश्चित रूप से उन सभी पाठकों के लिए लाभकारी होगी जो भारतीय धार्मिक परंपराओं और श्री श्याम जी के आध्यात्मिक महत्व को गहराई से समझना चाहते हैं। लेखक दिनेश शर्मा को उनके इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन

सिरसा। शाह सतनाम जी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती और शिक्षण सहायक सामग्री बनाने से संबंधित तीन दिवसीय कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। महाविद्यालय में बी.एड.द्वितीय वर्ष के छात्र अध्यापकों की प्रायोगिक परीक्षा से संबंधित पाठ योजना व शिक्षण सहायक सामग्री बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में सभी अध्यापकों ने अपने अपने शिक्षण विषय से संबंधित प्रभावशाली पाठ योजना और शिक्षण सहायक सामग्री की सहायता से अपने शिक्षण को कैसे अच्छा बनाया जा सकता है, इससे संबंधित छात्रों का मार्गदर्शन किया।

सिगड़ बने सिरसा सेवक दल शाखा के प्रधान

सिरसा। श्री गुरु जंभेश्वर सेवक दल शाखा सिरसा के चुनाव बिश्नोई मंदिर सिरसा में चुनाव पर्यवेक्षक सुरजीत ढुकिया व जगदीश सुथार की अध्यक्षता में हुए जिसमें कृष्ण कुमार सिगड़ को निर्विरोध जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इनके साथ वरिष्ठ उपप्रधान देवीलाल जाजुदा व उपप्रधान रामकुमार चांगड़ को चुना गया। कार्यकारिणी के विस्तार का अधिकार कृष्ण कुमार सिगड़ को दिया गया है, जो सभी की सहमति से कार्यकारिणी का गठन करेंगे। इस मौके पर उपस्थित सेवक सदस्यों ने संगठन की बेहतरी के लिए कार्य करने का आश्वासन दिया।

हनुमान जयंती पर सेवा का उठाया कदम, गोवंश को मिलेगा भरपूर पानी

भूना की नंदीशाला में 700 फुट गहरे सबमर्सिबल ट्यूबवेल का शुभारंभ

- नगर के लोगों को ऐसे सेवा कार्यों में सहयोग करना चाहिए : नंदलाल कंबोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

श्री हनुमान जयंती के अवसर पर श्री कृष्ण प्रणामी नगर पालिका नंदीशाला में गोवंश की सेवा के लिए बड़ा कदम उठाया गया। नगरपालिका ने यहां 700 फुट गहराई वाले सबमर्सिबल ट्यूबवेल की स्थापना शुरू की। इससे नंदीशाला में रहने वाले गोवंश को अब पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल मिलेगा। कार्य की शुरुआत परंपरा अनुसार छोटी कन्या से करवाई गई। इससे नारी शक्ति और संस्कृति को सम्मान दिया गया। कार्यक्रम का माहौल धार्मिक भक्ति, सेवा और सामाजिक सहयोग की भावना से भरा रहा। इस मौके पर नगरपालिका के चेयरपर्सन प्रतिनिधि पंकज पसरीजा, वाइस चेयरमैन नरेंद्र बागड़ी, समाजसेवी नंदलाल कंबोज, प्रदीप बंसल, मांगेराम गुर्जर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने इस पहल को गोसेवा की दिशा में सराहनीय बताया और नगर पालिका की प्रशंसा की। पंकज पसरीजा ने बताया कि नंदीशाला में लंबे समय से पानी की कमी थी। इससे गोवंश को परेशानी होती थी। अब 700 फुट गहरे ट्यूबवेल से गर्मी में भी जल की उपलब्धता बनी रहेगी। नरेंद्र बागड़ी ने कहा कि श्री हनुमान जी को गोसेवा प्रिय है। ऐसे पुण्य अवसर पर यह कार्य शुरू करना शुभ है। नंदलाल कंबोज ने कहा कि नगर के लोगों को भी ऐसे सेवा कार्यों में सहयोग करना चाहिए। गायों की सेवा को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। प्रदीप बंसल और मांगेराम गुर्जर ने कहा कि यह ट्यूबवेल नंदीशाला की वर्षों पुरानी जरूरत थी। अब इससे व्यवस्था में सुधार आएगा। इस अवसर पर धार्मिक कार्यक्रम भी हुए। भजन-कीर्तन के साथ भक्तों ने श्री हनुमान जी की आराधना की। अंत में प्रसाद वितरित किया गया। सभी ने एक-दूसरे को बधाई दी। नगर पालिका ने आश्वासन दिया कि नंदीशाला में साफ-सफाई, चारा, पानी और अन्य जरूरतों को लेकर लगातार प्रयास किए जाएंगे।

भूना। नंदीशाला में सबमर्सिबल ट्यूबवेल का शुभारंभ करती लड़की।

श्री श्याम बगीची में भजन एवं भंडारा आयोजित

सिरसा। अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से श्री हनुमान जन्मोत्सव पर भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन किया गया। श्याम बगीची के मुख्य सेवक पवन गर्ग ने बताया कि भजन संध्या में स्थानीय भजन गायक पवन साहुवाला ने गणेश वंदना से भजन संध्या का आगाज किया। इसके बाद उन्होंने हनुमान चाली का पाठ किया और भजन- लहर लहर लहराए रे झंडा बजरंग बली का, वीर हनुमाना अति बलवाना राम नाम रसियो से सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए। भजन गायक अनिल शर्मा ने भजन- दिल की बत सांवरिय न सुना के देख ले, क्यूं घबराउ मै मेरा तो श्याम से नाता है, मेरी अंखियां करे इंतजार सांवरे पलकों का घर तैयार सांवरे, खाटू बुला रहा है ये कृपा नही तो क्या है सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए। भजन संध्या के दौरान श्याम भक्तों ने बाबा को 56 भोग का प्रसाद लगाया। बाद में हांसी से आए भजन गायक लव सोनी ने भजन- दुनिया चले ना श्रीराम के बिना रामजी चले ना हनुमान के बिना, कारोबार मेरो बालाजी चलाव, कीर्तन की है रात बाबा आज थाण आणो है, आयो सांवरियो सरकार नीलै पै चढ़ कै, कैसे जली कैसे जली रावण की लंका कैसे जली, झाल नगाड़ा बाजै रे सालासर के मंदिर में हनुमान विराजै रे, बाबा गो श्रंगार मणै भाव सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। इस दौरान भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। रात को श्री बालाजी महाराज व श्री श्याम बाबा की आरती की गई और बाबा को भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

सिरसा। बैठक में समस्याओं पर चर्चा करते वार्डवासी। फोटो : हरिभूमि

वार्ड की समस्याओं के निदान पर किया विमर्श

- निःस्वार्थ सेवा संस्थान की बैठक प्रधान सुरेंद्र की अध्यक्षता में हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

निःस्वार्थ सेवा संस्थान की मीटिंग रविवार को गली नंबर 8, हरि विष्णु कॉलोनी स्थित सत्संग भवन में संस्था के प्रधान सुरेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग में कार्यकारिणी के 12 सदस्य उपस्थित रहे। संस्था के सचिव राजेंद्र ढाका ने बताया कि बैठक में वार्ड की समस्याओं पर विचार किया गया। निर्णय लिया गया कि सभी विभागों के अधिकारियों और कमेटी के चेयरमैन से मिलकर एरिया की समस्याओं जैसे बारिश के समय में कंगनपुर रोड पर बारिश का पानी जमा होने की समस्या का स्थाई समाधान व पीने के पानी में सीवर का पानी मिक्स होकर आना व एरिया में बार-बार फॉगिंग करवाने के बारे में उनसे मिलकर अवगत कराकर उनका समाधान करवाया जा सके। इस अवसर पर संस्था के सदस्य एडवोकेट ओपी अरोड़ा, एडवोकेट रजनीश बंसल, बाबूराम शर्मा, रोहताश चौहान, सज्जन भांभू, रामकुमार ढिल्लो, मास्टर दलीप कुमार, राकेश कुमार, विनोद शर्मा आदि मौजूद रहे।

मिड डे मील वर्कर्स ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

सिरसा। मिड डे मील वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर जिलेभर की मिड डे मील वर्कर्स द्वारा अपनी मांगों व समस्याओं को लेकर रोष प्रदर्शन किया गया। मिड डे मील वर्कर्स शहीद भगत सिंह स्टेडियम में एकत्रित हुई और सरकार के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। वर्करों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। यूनियन नेत्री राजरानी ने बताया कि मिड डे मील वर्कर्स लंबे समय से अपनी मांगों व समस्याओं को लेकर आंदोलनरत है लेकिन प्रदेश सरकार उनकी मांगों को लेकर गंभीर नहीं है। सरकार की बेरूखी को लेकर मिड डे मील वर्कर्स यूनियन द्वारा प्रदेशभर में आंदोलन करने का निर्णय लिया गया था। इसी कड़ी में आज मिड डे मील वर्कर्स ने फतेहाबाद में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया है।

परीक्षाओं में अव्वल रहे बच्चों को प्रिंसिपल ने किया सम्मानित

सिरसा। राजकीय प्राथमिक पाठशाला ढाणी वड़ैचा में परीक्षाओं में अव्वल रहे बच्चों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया जिसमें बतौर मुख्यातिथि गांव के सरपंच दीप सिंह कंबोज ने शिरकत की। जीएसएसएस वैदवाला की प्रिंसिपल नीलम रानी द्वारा स्कूल में कक्षा 1 से 5वीं तक प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे बच्चों को स्मृति चिह्न व नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर नीलम रानी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करते हैं और बच्चों को प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने कहा कि बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं होती, लेकिन इस प्रकार के कार्यक्रमों से उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना को पैदा किया जा सकता है, जिससे वे और भी बेहतर करने को आतुर रहते हैं। इस मौके पर मुख्यातिथि गांव के सरपंच दीप सिंह कंबोज ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम लगातार होते रहने चाहिएं, ताकि विद्यार्थी एक-दूसरे से बेहतर करने के लिए अपने आप को तैयार रखें।

सिरसा। विद्यार्थियों को पुस्तकें वितरित करते ट्रस्ट के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

3500 विद्यार्थियों को स्कूलों में जाकर बांटी जाएगी स्टेशनरी : गुरदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

बाबा सरसाईनाथ बुक बैंक द्वारा तीसरा पुस्तक वितरण समारोह रविवार को श्री गौशाला के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यातिथि राजेंद्र कुमार रातुसरिया थे जबकि अध्यक्षता बुक बैंक के अध्यक्ष गुरदीप सैनी ने की। राजेंद्र मोहन गुप्ता ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए बेहतर शिक्षा लेकर उच्च पद हासिल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष गुरदीप सैनी ने बताया कि सत्र 2025-26 में अब तक 225 बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें प्रदान की जा चुकी हैं। शीघ्र ही सिरसा शहर के 3500 जरूरतमंद विद्यार्थियों को उनके स्कूलों में जाकर कॉपी व रजिस्टर वितरित किए जाएंगे। मंच संचालन शिक्षक अनिल सैनी ने किया। मुख्यातिथि राजेंद्र रातुसरिया ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि जरूरतमंद बच्चों को पुस्तकों की कमी नहीं आने दी जाएगी और ट्रस्ट इसके लिए सदैव तैयार रहेगा। सीए राजेंद्र अग्रवाल ने सिरसा शहर के लोगों से आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा अपनी पुस्तकें बुक बैंक में दान करें।

2 को धूमधाम से मनाया जाएगा भगत धन्नाजी का जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

- कभगत धन्नाजी ट्रस्ट की बैठक का जाट धर्मशाला में आयोजन
- 2025 में किए जाने वाले कार्यों की बनाई रूपरेखा

भगत धन्नाजी ट्रस्ट के बैनर तले भगत धन्नाजी का जन्मोत्सव आगामी 2 मई को बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर भगत धन्नाजी ट्रस्ट की बैठक का आयोजन जाट धर्मशाला में हुआ जिसकी अध्यक्षता करते हुए ट्रस्ट के प्रधान अमरीक सिंह राही ने की।

उन्होंने बताया कि भगत धन्नाजी का जन्मदिवस आगामी 20 अप्रेल को हरियाणा सरकार की तरफ से मनाया जा रहा है, इसलिए ट्रस्ट की तरफ से भगत धन्नाजी जन्मोत्सव पर कार्यक्रम 2 मई को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दिन कार्यक्रम में भगत धन्नाजी पर लिखी गई पुस्तक का विमोचन किया जाएगा और साथ ही भगत धन्नाजी के मंदिर व गुरुद्वारा साहब के निर्माण की घोषणा की जाएगी। इस दौरान ट्रस्ट के संरक्षक डॉ. राजेंद्र कड़वासरा ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर सभी पदाधिकारियों की ड्यूटियां लगा दी गई हैं। उन्होंने बताया कि भगत धन्नाजी ट्रस्ट द्वारा वर्ष 2025 में किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा बना ली गई है जो भगत धन्नाजी के जन्मोत्सव से आरंभ हो जाएंगे। इस अवसर पर एडवोकेट हनुमान गोदारा, अंग्रेज सिंह औलख, महेंद्र घणघस, कमलदीप शर्मा, सुभाष बाजेकां, अजमेर सिंह, संदीप बराड़, राजेश सिंधू, इंद्रपाल कसवां आदि मौजूद रहे।

शिविर में 90 लोगों ने किया स्वेच्छा से रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

अरदास गुरप की ओर से बैसाखी पर शिव शक्ति ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में 90 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ फाउंडर मनीष छाबड़ा ने किया। मनीष छाबड़ा ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है।

रक्तदान का कोई विकल्प नहीं है, न तो इसे किसी फैक्ट्री में बनाया जा सकता है और न ही कहीं पैदा किया जा सकता है। दान ही इसका एकमात्र विकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को साल में कम से कम दो बार अवश्य रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान से शरीर में किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती और एक सप्ताह के बेहतर खान-पान से पूर्ति हो जाती है। उन्होंने कहा कि आपके द्वारा दी गई रक्त की एक बूंद किसी अमूल्य जीवन को बचा सकती है। डॉ. आरएम अरोड़ा के नेतृत्व में शिव शक्ति की टीम ने रक्त एकत्रित किया। इस मौके पर हरमीत सिंह, गौरव अरोड़ा, कर्ण दुग्गल, संगम फुटेला, अरुण क बोज, तरसेम राणा, संदीप सैनी, मानी सिंगल, शुभम सैनी, नवजोत गिल, रवि सोनी, दीपक अरोड़ा, दीपांशु खुराना, डॉ. बलविंदर सिंह, हरजीत सोनी, पार्षद अंग्रेज बठला, पार्षद दीपक बंसल व समाजसेवी सतपाल सूर्या मौजूद थे।

सिरसा। शिविर में रक्तदान करते हुए लोग।

सिरसा। अखिल भारतीय नौजवान सभा की गठित कार्यकारिणी। फोटो : हरिभूमि

साइबर ठगों से रहें सावधानः एसपी

सिरसा। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने साइबर फ्रॉड से बचने के बारे में लोगों को जागरूक करते हुए कहा है कि सावधानी व सतर्क ता ही साइबर ठगी से बचने का बेहतर उपाय है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आज के युग में युवा शार्टकट तरीकों से पैसा कमाने के चक्कर में रहते हैं, इसीलिए वे साइबर धोखाधड़ी के शिकार हो रहे हैं। साइबर अपराधी युवाओं को इंस्टाग्राम या किसी दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्क फ्रॉम होम वाली जॉब के नाम पर घर बैठे लाखों रुपए कमाने का झांसा देकर अपने जाल में फंसा रहे हैं, इसलिए इस तरह के फर्जी लिंक से सावधान रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि गलती से भी आपने फर्जी लिंक को क्लिक कर दिया तो आपको लाखों रुपए का नुकसान झेलना पड़ सकता है तथा अपनी जिंदगी की बहुमूल्य पूंजी से हाथ धोना पड़ सकता है।

ज्योतिबा फुले व डॉ. अंबेडकर को किया याद

फतेहाबाद। टोहाना के शहीद भगत सिंह भवन में जनसंगठन मंच के तत्वाधान में महात्मा ज्योतिबा फुले और डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किसान सभा, भारतीय किसान यूनियन घासी राम नैन और सीटू द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पहुंचे इन संगठनों के सदस्यों ने डॉ. भीम राव अम्बेडकर को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन के नेता सूबे सिंह आर्य और एडवोकेट चांदीराम पातड़ ने की, जबकि संचालन रिटायर रेलवे स्टेशन मास्टर मुंशीराम ने किया। दलित अधिकार मंच के राज्य संयोजक रामकुमार बहबलपुरिया ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर और ज्योतिबा फुले के विचारों पर चलते हुए एक नए भारत का निर्माण करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज हमें उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना होगा।

27 को होगा अखिल भारतीय नौजवान सभा का राज्य सम्मेलन

अखिल भारतीय नौजवान सभा की कार्यकारिणी गठित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

शहीद करतार सिंह सराभा हॉल में अखिल भारतीय नौजवान सभा, जिला सिरसा का 15वां अधिवेशन हुआ। इस दौरान 31 सदस्यीय जिला कार्यकारिणी व 11 सदस्यीय सचिव मंडल का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया। इसमें जगजीत सिंह चौबुर्जा को जिलाध्यक्ष, उपाध्यक्ष गगनदीन सिंह भड़ोल्यांवाली व गगनदीप सिरसा, जिला सचिव सुमेर सिंह गिल व सहसचिव अमनदीप सिंह, बलजीत कोटली व रवितेज एडवोकेट, कोषाध्यक्ष सर्वजीत सिद्धू, मीडिया प्रभारी मनोज पचेरवाल व अजीत नेजाडेला चुने गए। जिला सचिव सुमेर सिंह गिल ने बताया कि आगामी 27 अप्रेल को अखिल भारतीय नौजवान सभा का राज्य सम्मेलन पानीपत में होगा, जिसके लिए 15 सदस्यों का डेलीगेशन चुना गया।

बाबा भुम्मणशाह जन्मोत्सव पर सजा डेरा, धार्मिक कार्यक्रम होंगे आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

उदासीन संत बाबा भूमणशाह महाराज के 338वें जन्मोत्सव पर होने वाले अनेक धार्मिक कार्यक्रमों के लिए मुख्य डेरा बाबा भुम्मणशाह को भव्य रूप से सजाया गया है। जन्मोत्सव के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु शामिल होने के लिए पहुंचने शुरू हो गए हैं। डेरे के सेवक सचिव विनोद एडवोकेट ने बताया कि 18वीं सदी के महान उदासीन संत बाबा भुम्मणशाह का जन्म 14 अप्रेल 1687 को गांव बहलोलपुर जिला मिंटगुमरी (पाकिस्तान) में हुआ था। बाबाजी ने 11 वर्ष की आयु में ही उदासीन संत के रूप में बाबा प्रीतम दास के पवन सान्निध्य में गुरु दीक्षा प्राप्त कर साधना में लीन हो गए। बाबा भुम्मणशाह ने अपना सारा जीवन जरूरतमंद लोगों की सेवा व लंगर सेवा में व्यतीत किया। कार्यक्रमों की रूपरेखा बताते हुए उन्होंने कहा कि जन्मोत्सव पर सुबह 9 बजे अखंड पाठ का भोग डाला जाएगा और साढ़े 9 बजे रक्तदान व चिकित्सा शिविर का शुभारंभ डेरे के गद्दीनशीन संत बाबा ब्रह्मदास महाराज करेंगे। दोपहर 12 बजे श्रद्धालुओं को बाबा ब्रह्मदास महाराज प्रवचन देंगे। इस अवसर पर रस्साकशी मुकाबले का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें विजेता टीम को 11 हजार व उपविजेता को 8100 रुपए दिए जाएंगे।

सिरसा। भव्य रूप से सजाया गया डेरा भूमण शाह।

संस्थाओं ने 250 मरीजों को जांच के बाद दीं दवाइयां

आदर्श कॉलोनी में लगाया निःशुल्क मेडिकल कैंप

- डॉ. एसपी सिंह ओबरॉय का जन्म दिवस सेवा दिवस के रूप में मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद।

आदर्श कॉलोनी में सिटी वेलफेयर क्लब, सरबत दा भला और ऑल इंडिया अरोड़ा पंजाबी खत्री कम्युनिटी ने संयुक्त तत्वावधान में सरबत का भला संस्था के चेयरमैन डॉ. एसपी सिंह ओबरॉय का जन्म दिवस सेवा दिवस के रूप में मनाया गया।

इस अवसर पर निःशुल्क मैडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. सरोज तिवारी, दंत वेदा से डॉ. काजल बजाज, दिल्ली अस्पताल से डॉ. सुनीता वधवा ने 250 मरीजों की निशुल्क जांच की और संस्था द्वारा सभी को निशुल्क दवाइयां एवं ब्रश पेस्ट भी वितरित किए गए। प्रोजेक्ट इंचार्ज देवेंद्र मोंगा, मनोज ठाकुर, लैब टेकनिशयन संदीप सोनी ने कहा कि ज्यादातर महिलाओं में खून की कमी पाई गई और उन्हें उचित सलाह दी गई और बच्चों को नियमित ब्रश करने की सलाह दी गई।

कैंप का शुभारंभ स्वर्णकार सभा अध्यक्ष कृष्ण सोनी, ऑल इंडिया अरोड़ा कम्युनिटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष साहिब दयाल वधवा, प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश चुघ, सिटी वेलफेयर क्लब के प्रदेश अध्यक्ष विनोद अरोड़ा एवं संरक्षक वीना भ्याना ने किया।

उन्होंने कहा कि यह कैंप हर साल बैसाखी पर डॉ. एसपी सिंह ओबरॉय के जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। वह अपने जीवन में कमाए हुए धन का 98 प्रतिशत लोगों की सेवा में लगाते हैं।

इस अवसर पर तिलक राज मोंगा, रामनिवास, परम अरोड़ा, कुलदीप सचदेवा, लवली मेहता, सुभाष मक्कड़, सुरेंद्र गाबा, महेंद्र मदान, अंजलि कामरा, अंजू बत्रा, ममता रहेजा, रेनू जग्गा, सुमन शर्मा, ज्योति कुकड़ेजा, मोनिका ठाकुर, ललित चौधरी, सुनील, शीतल, लक्ष्मण, सुरेश भट्टी सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फतेहाबाद। मेडिकल कैम्प में मरीजों की जांच करते चिकित्सक।

खबर संक्षेप

पिस्तौल सहित एक गिरफ्तार

फतेहाबाद। नाजायज हथियार रखने वालों की धरपकड़ करते हुए फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान अनिल पुत्र राजपाल निवासी कुकड़ांवाली के रूप में हुई है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी एसआई ओमप्रकाश ने बताया कि एवीटी स्टाफ फतेहाबाद पुलिस की टीम एसआई वेदपाल के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। टीम जब दरियापुर नहर पुल मंदिर के पास पहुंची तो वहां एक युवक खड़ा दिखाई दिया। उक्त युवक पुलिस टीम को देखकर घबरा गया और तेज कदमों से नहर की पटड़ी पर जाने लगा। शक के आधार पर पुलिस कर्मचारियों ने गाड़ी से उतरकर युवक का पीछा किया और कुछ ही दूरी पर उसे काबू कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अनिल बताया। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक नाजायज पिस्तौल 32 बोर बरामद हुआ। इस पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर थाना शहर फतेहाबाद में उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

अनाज मण्डी से धान चुराने का दूसरा आरोपी काबू

फतेहाबाद। थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने नई अनाज मण्डी में राइस मिल का धान चोरी करने के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए युवक की पहचान ललित कुमार उर्फ गट्टू पुत्र जगदीश कुमार निवासी गुरूनानकपुरा मोहल्ला, वाल्मीकि चौक, फतेहाबाद के रूप में हुई है। आरोपी को माननीय अदालत में पेश कर हिसार जेल भेजा गया है। इस मामले में एक आरोपी मनदीप पुत्र रामनिवास निवासी अशोक नगर फतेहाबाद को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी एसआई ओमप्रकाश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 4 नवंबर 2024 को अनाज मण्डी फतेहाबाद निवासी विनय गोयल की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी सिरसा रोड पर राइस मिल है। उसने मिल का धान नई अनाज मण्डी में रखा था। वहां से चोर 10 बोरी धान चोरी कर ले गए है। चोरी हुए धान का कुल वजन 375 किलो है। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर दूसरे आरोपी ललित कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

भूना व टोहाना क्षेत्र से दो युवतियां लापता

फतेहाबाद। जिले में भूना व टोहाना क्षेत्र से दो युवतियों के लापता होने का समाचार है। दोनों मामलों में परिजनों द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव सिंथला निवासी एक युवक ने कहा है कि उसकी 24 साल की पत्नी गत दिवस रात 12 बजे घर से अचानक लापता हो गई है। सुबह जब उन्होंने उसे गायब देखा तो उसकी काफी जगह तलाश की लेकिन जब उसका कहीं कुछ पता नहीं चला तो उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में भूना पुलिस ने केस दर्ज कर विवाहिता की तलाश शुरू कर दी है। दूसरे मामले में थाना शहर टोहाना पुलिस ने कुलां की कलर ढाणी निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर उसकी 20 साल की लडक़ी के लापता होने बारे केस दर्ज किया है। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी लडक़ी टोहाना में अपने नानके गई थी। वह घर से आईजी कॉलेज जाने की बात कहकर निकली और वापस नहीं लौटी है। उसने आरोप लगाया कि रवि निवासी कुलां नामक युवक ने उसकी लडक़ी को कहीं छिपा रखा है।

सिरसा डाकघर के बाहर डाला जा रहा कूड़ा बना मुसीबत कर्मचारियों ने प्रशासन से लगाई समस्या से निजात की गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

नगर परिषद के कर्मचारी यहां कूड़ा फेंक रहे

शहर के मुख्य बाजार सदर गेट के निकट नगर परिषद कर्मचारियों द्वारा डाले जा रहे कूड़े के कारण आमजन को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर डाकखाने में आने वाले कर्मचारियों व जनता को मुकिश्लों से गुजरना पड़ रहा है। नरेंद्र कुमार, सुनील कुमार, सुमन शर्मा, प्रोमिला, अजय सिंह, सुरेंद्रपाल व बंटी आदि कर्मचारियों ने बताया कि नगरपरिषद के कर्मचारियों द्वारा ही यहां पर कूड़ा डाला जाता है, जिस पर पूरा दिन आवारा पशु मुंह मारते हैं। यही नहीं इस दौरान वे आपस में लड़ते हैं जिसके कारण जानी नुकसान होने की भी आशंका बनी रहती है। इन पशुओं की भिड़ंत के कारण कई वाहन चालक हादसों का शिकार हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। यहां डाले जा रहे कूड़े के कारण डाकघर कॉलोनी में रह रहे कर्मचारियों का जीन दूभर हो गया है। उन्होंने बताया कि जैसे ही नगर परिषद के कर्मचारी यहां कूड़ा फेंकते हैं, कूड़ा बीनने वाले भी कचरे के ढेर पर जमघट लगाए रहते हैं, जिससे डाकघर कॉलोनी के गेट से कर्मचारियों का आवागमन बड़ा मुश्किल भरा हो गया है। उन्होंने प्रशासन से गुहार लगाई कि यहां से कूड़े को हटाया जाए, ताकि हादसों से बचा जा सके।

आंबेडकर जयंती पर लाल बत्ती चौक पर स्थित पार्क में चलाया स्वच्छता अभियान

स्वच्छता सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी, जिसे हर नागरिक निभाएं : बेदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करते मंत्री कृष्ण कुमार बेदी। फोटो :हरिभूमि

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने रविवार को फतेहाबाद के लाल बत्ती चौक स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने पार्क में साफ सफाई भी की। इससे पहले कैबिनेट मंत्री ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में स्वच्छता को अपनाएं और समाज को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में योगदान दें। कैबिनेट मंत्री ने नागरिकों से स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाने और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे हर नागरिक को निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती मनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि आज हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान निर्माण किया उसकी बदौलत हम विकास की राह पर चल रहे हैं। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि बाबा साहेब के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए यह आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना था। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में एकता का संदेश दिया गया।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री प्रदेश वासियों को करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे और विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन कर उन्हें जनता को समर्पित करेंगे। यह कार्यक्रम प्रदेश के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने सभी कार्यकत्र्ताओं व लोगों को अधिक से अधिक संख्या में हिसार पहुंचने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक दुड़ाराम, जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा,

छात्राओं ने ली संविधान की पालना करने की शपथ

■ शहीद दविन्द्र सिंह राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

शहीद दविन्द्र सिंह राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना यूनिट द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य परमजीत संधा ने छात्राओं को भारतीय संविधान में डॉ भीमराव अंबेडकर के योगदान के बारे में बताते हुए कहा डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे। उन्होंने संविधान की रूपरेखा तैयार की और समानता, स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्षता व सामाजिक न्याय को प्रमुख स्थान दिया। उनके नेतृत्व में भारत को एक लोकतांत्रिक और समतामूलक संविधान मिला।

मुख्य वक्ता डॉ. राजेन्द्र कुमार संविधान निर्माण में डॉ भीमराव अंबेडकर के योगदान पर संबोधित करते हुए मुख्य बिन्दुओं समानता का सिद्धांत, अस्पृश्यता उन्मूलन, आरक्षण, मौलिक अधिकार व्यवस्था, धर्मनिरपेक्षता, नारी सशक्तिकरण, संविधान की विस्तृत रूपरेखा, लोकतंत्र के नियम इत्यादि पर विस्तार से बताया?। एनएसएस प्रभारी प्रो. रीतु ने छात्राओं को संविधान की पालना करने की शपथ दिलवाई।

प्रो. सुरेन्द्र शर्मा ने भारतीय संविधान एवं डॉ भीमराव अंबेडकर विषय पर लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई। इसमें प्रथम स्थान ज्योति रानी बीए अंतिम वर्ष, द्वितिय स्थान शिल्पा बीए द्वितीय वर्ष व तृतीय स्थान ममता रानी बीए अंतिम वर्ष ने प्राप्त किया। विजेता छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रो. बिन्दु, डॉ. सीमा टुटेजा, डॉ. बलकार सिंह, डॉ. सैन कुमार, मुक्ता शर्मा एवं छात्राएं उपस्थित रही।

सिरसा। विद्यार्थयों को सम्मानित करते हुए अतिथिगण।

विद्यार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता और खिलाड़ी हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टूडेंट फ्रंट ऑफ इंडिया के तत्वावधान में महात्मा ज्योतिबा फूले और डॉ. अंबेडकर जयंती पर वार्षिक पारितोषिक सम्मान समारोह चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में हुआ जिसमें 350 विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, खिलाडिय़ों को सम्मानित किया गया।पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन भारतीय समाज के पिछड़े वर्गों और गरीबों के उत्थान के लिए न्योछावर कर दिया। वे एक प्रख्यात अर्थशास्त्री, कानूनविद और राजनेता थे। उन्होंने सिर्फ सामाजिक न्याय व सामाजिक असमानता के खिलाफ ही लड़ाई नहीं लड़ी, बल्कि उन्होंने महिला सशक्तिकरण, महिलाओं को बराबरी का अधिकार, जनसंख्या नियंत्रण, यूनिफॉर्म सिविल कोड, मौलिक दायित्व की भी बात की। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के मेंबर सुभाष मेघवाल ने कहा कि बाबा साहेब कहा करते थे कि किसी समाज की प्रगति में उस समाज में महिलाओं की प्रगति से आंकता हूं। अपने प्रगतिशील विचारों के चलते वे आज करोड़ों भारतीयों के प्रेरणास्त्रोत हैं। चेयरमैन देव कुमार शर्मा ने कहा कि वे महान अर्थशास्त्री थे। आरबीआई की परिकल्पना उनके विचारों पर ही आधारित थी। निफा हरियाणा के महासचिव दलबीर सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम पूरे प्रदेशभर में होने चाहिएं, ताकि युवाओं को आगे बढऩे का मौका मिले। समाज के प्रत्येक पहलू पर आज विचार करने की आवश्यकता है। रविंद्र चौहान ने कहा कि डॉ. अंबेडकर सिर्फ दलित वर्ग के लिए नहीं, बल्कि प्रत्येक वर्ग के हितैषी थे।

खेत से केबल चोरी करने के आरोप में पांच युवक गिरफ्तार, तार से तांबा निकाल कर आगे बेचते थे

म्योंद कलां में कई किसानों के ट्यूबवेल की तार चोरी हुई थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। जाखल पुलिस की गिरफ्त में केबल चोरी के आरोप में पकड़े गए युवक।

जाखल पुलिस ने खेतों में लगे ट्यूब्वैलों से केबल चोरी करने के आरोप में 5 युवकों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 4 युवकों ने गांव म्योंद कलां में कई किसानों के ट्यूब्वैलों से सैंकड़ों फुट केबल चोरी की थी और पांचवें आरोपी को बेच दी थी।पकड़े गए युवकों की पहचान गांव म्योंद कलां निवासी सतबीर उर्फ पालाराम, बंसीलाल पुत्र फौजा राम, लक्ष्मण उर्फ लच्छु पुत्र कश्मीर राम, तलवाड़ी ढाणी निवासी जगसीर पुत्र काला राम व गांव शक्करपुरा निवासी मिट्ठू राम के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से 2 हजार रुपये की नकदी व तांबा भी बरामद किया है। थाना जाखल प्रभारी एसआई कुलदीप सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 11 अप्रैल को गांव म्योंद कलां निवासी दयाल सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार अज्ञात चोर उसके खेत में घुसकर मोटर की ग्रीप तोडक़र वहां से 50 फुट केबल चोरी कर ले गए है। इसके अलावा चोरों ने उसके पड़ोसी नरेन्द्र, अमर सिंह निवासी म्योंद कलां, हरबंस निवासी साधनवास, रिछपाल निवासी अकांवाली के खेत से भी चोर करीब 400 फुट केबल चोरी की है। इस मामले में जाखल पुलिस ने केस दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। इस मामले में जांच अधिकारी ने बताया कि आरोपी तार जलाकर तांबा निकालकर बेचते थे।

शहीद जयपाल सिंह की स्मृति में जूडो प्रतियोगिता, राज्यसभा सांसद ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। विजेता खिलाडिय़ों को सम्मानित करते सांसद सुभाष बराला।

टोहाना के गांव हंसेवाला में शहीद जयपाल सिंह की स्मृति में आयोजित जूडो प्रतियोगिता कर आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने खिलाडिय़ों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने विजेता खिलाडिय़ों को पुरस्कार वितरित किए और आयोजन समिति तथा ग्रामवासियों को बधाई दी। इससे पहले सांसद ने शहीद जयपाल सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि यह युवाओं को अनुशासन, आत्मविश्वास और देशभक्ति की ओर भी प्रेरित करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी प्रतियोगिताएं युवा प्रतिभाओं को सामने लाने का अवसर देती हैं। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की खेल नीतियों पर बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में खेलो इंडिया जैसे अभियान युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए शुरू किए गए हैं।

खालसा साजना दिवस पर गुरुद्वारा साहिब में धार्मिक समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

■ श्री अखंड पाठ साहिब जी के पाठ का भोग डाला

खालसा साजना दिवस एवं वैसाखी पर्व मौके गुरुद्वारा साहिब पुराना बाजार में धार्मिक समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर श्री अखंड पाठ साहिब जी के पाठ का भोग डाला गया व इसके पश्चात भाई सुखपाल सिंह सहोता के ढाडी जत्थे ने संगत को गुरु इतिहास से जोडक़र निहाल किया। इस मौके पर सरबत के भले की अरदास ग्रंथी किशन सिंह ने की। प्रबंधक वरिंद्र सिंह मंडवी ने बताया कि गुरुद्वारा साहिब में 11 अप्रैल को श्री अखंड पाठ साहिब जी का प्रकाश किया गया था जिसका आज भोग डाला गया। इस मौके पर धार्मिक दीवान सजाए गए व गुरु का अटूट लंगर चला। इस मौके पर सदस्य इकबाल सिंह खोखर, इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह, अमृतपाल सिंह, गुरजीत सिंह, रूपेश सिंह, जसवंत सिंह, मनविंद्र सिंह, जरनैल सिंह, रणजीत सिंह भानीखेड़ा, जगसीर सिंह, मनजीत सिंह, राहुल सिंह सहित काफी संख्या में संगत एवं सेवादार उपस्थित थे।इसके अलावा फतेहाबाद रोड स्थित गुरुद्वारा विश्वकर्मा साहिब में खालसा साजना दिवस एवं वैसाख की संक्रांत मौके मौके धार्मिक समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर श्री अखंड पाठ साहिब जी के पाठ का भोग डाला गया व इसके पश्चात भाई जगजीत सिंह के रागी जत्थे व लखबीर सिंह मस्त के कविशरी जत्थे ने संगत को निहाल किया।

बैठक आशा वर्कर्स यूनियन जिला कमेटी ने बैठक कर राष्ट्रव्यापी विरोध की रणनीति बनाई

आशा वर्कर्स मांगों को लेकर 20 मई को करेंगी हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

आशा वर्कर्स यूनियन जिला कमेटी फतेहाबाद की बैठक आज जिला प्रधान शीला शक्करपुरा की अध्यक्षता में शहीद उधम सिंह भवन, सीटू दफ्तर में हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव सुमन दैयड़ ने की। बैठक में आशा वर्कर्स की मांगों को लेकर चर्चा की गई और आगामी आंदोलन को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में विशेष तौर पर सीटू जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजा ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए शीला शक्करपुरा व ओमप्रकाश अनेजा ने कहा कि आशा वर्कर्स की मांगों को लेकर सरकार गंभीर नहीं है। ऐसे में आशा वर्कर्स यूनियन द्वारा 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का निर्णय लिया गया है। फतेहाबाद जिले से सैंकड़ों आशा वर्कर्स इस हड़ताल में शामिल होंगी। अगर फिर भी सरकार ने उनकी मांगों को नहीं माना तो आशा वर्कर्स फिर से आंदोलन करने पर मजबूर होंगी। बैठक को आशा वर्कर सविता, रामकली, अंग्रेजो भूना सहित अन्य वर्कर्स मौजूद रहीं।

सरकारी कर्मचारियों का दर्जा देकर पक्का करने की मांग

उन्होंने कहा कि आशा वर्कर्स ने सालों से जच्चा-बच्चा की देखरेख व उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां देने का महत्वपूर्ण काम कर किया। कोरोना काल में तो आशाओं ने अपनी जान जोखिम में डालकर जनता की सेवा की। विश्व स्वास्थ्य संगठन से भी इन वर्कर्स को ग्लोबल हेल्थ लीडर अवार्ड भी मिल चुका है, इसलिए केंद्र व हरियाणा सरकार का फर्ज बनता है कि वह आशा वर्करों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें सरकारी कर्मचारी का दर्जा देकर पक्का करना चाहिए लेकिन केन्द्र व हरियाणा की बीजेपी सरकार इस कार्य पर चुप्पी साधे बैठी हैं। ऐसे में आशा वर्कर्स ने पक्की नौकरी, न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये देने व अन्य मांगों को पूरा करने की मांग की।

अध्यापक संघ 16 अप्रैल को प्रदेश के सभी डीईओ कार्यालयों पर करेगा प्रदर्शन

फतेहाबाद। शिक्षकों को ऑनलाइन डायरी भरने के सरकार के तुगलकी फरमानों के खिलाफ हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ द्वारा 16 अप्रैल को प्रदेशभर में जिला शिक्षा अधिकारियों कार्यालयों पर प्रदर्शन किए जाएंगे। इसी कड़ी में फतेहाबाद में भी अध्यापक डीईओ कार्यालय पर इकट्ठा होकर धरना प्रदर्शन करेंगे। अध्यापक संघ के जिला प्रधान राजपाल मिताथल, जिला सचिव देसराज माचरा, राज्य ऑडिटर सुरजीत दुसाद, वरिष्ठ उपप्रधान डॉ. नीतु डूडेजा, राज्य सह सचिव पूनम रानी, जिला आडिटर राजकुमार भूना ने बताया कि शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा 8 अप्रैल को जारी पत्र के माध्यम से प्रदेश के सभी शिक्षकों को ऑनलाइन डायरी भरने का फरमान सुनाया है, जो शिक्षकों को विद्यार्थियों से दूर करने की एक सरकारी साजिश है। अध्यापक संघ इस तरह के तुगलकी फरमान का कड़े शब्दों में विरोध करता है। इस फरमान के विरोध में और प्राथमिक अध्यापकों से शुरू करते हुए प्रदेश के सभी शिक्षकों के अतिशीघ्र सामान्य तबादले की मांग को लेकर संघ द्वारा प्रदेश के सभी डीईओ कार्यालयों पर 16 अप्रैल को जोरदार प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उल्लास का हाल हमारे सामने है। कितनी फोटो-वीडियो ऑनलाइन करवाई गई, शिक्षकों का समय-संसाधन झोंके गए, परिणाम मात्र कागजी हैं। व्यवहार में शून्यता है, जो टूटने का नाम नहीं ले रही।